

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

**J 3 6 1 5**
**Time : 2½ hours]**
**PAPER - III  
ASSAMESE**
**[Maximum Marks : 150**
**OMR Sheet No. :** .....  
(To be filled by the Candidate)

**Roll No.**

--	--	--	--	--	--	--	--

  
(In figures as per admission card)

**Roll No.** \_\_\_\_\_  
(In words)

**Number of Pages in this Booklet : 24**
**Number of Questions in this Booklet : 75**
**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
  - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
  - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/ questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
  - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.  
**Example:** ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There are no negative marks for incorrect answers.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
  - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
  - (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
  - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।  
**उदाहरण :** ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**



**ASSAMESE****অসমীয়া****Paper - III****প্ৰশ্নকাকত - III**

**Note :** This paper contains **seventy five (75)** objective type questions, each question carrying **two (02)** marks. Attempt **all** of them.

**টোকা :** এই প্ৰশ্ন কাকতত বহু বিকল্পীয় **পয়সত্তৰ (75)** টা প্ৰশ্ন আছে। প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ মূল্যাংক **দুই (2)**। সকলো প্ৰশ্নৰ উত্তৰ কৰিব।

1. বাঁহ চিত চলিয়া কাটি।

তেবে চাবা জুইৰ কান্তি ॥

দীঘল কৰি মাৰিবা ফু।

তেবে দেখিবা জুইৰ মু ॥

এই বচনফাঁকি অসমীয়া সমাজত কি বুলি জনা যায়?

(1) ভকতীয়া বচন (2) ডাকৰ বচন (3) খনাৰ বচন (4) প্ৰবাদ-বচন

2. ভ্ৰমিলো বহুতো বাট

কিন্তু দুৱাৰ মুকলি ক'ত?

বন্ধ দেখোঁ সকলো দুৱাৰ।

দুৱাৰ মুকলি মাথোঁ অচল ছবিৰ

কিতাপ দ'মত থকা নিকোলাচ ব'ৰিকৰ

এখনি ছবিৰ।

উদ্ধৃত কবিতাৰ শাৰীকেইটা তলৰ কোনজন কবিৰ?

(1) নৱকান্ত বৰুৱা (2) দেৱকান্ত বৰুৱা (3) অজিৎ বৰুৱা (4) হেম বৰুৱা

3. আউনিআটী সত্ৰখন কোন সংহতিৰ অন্তৰ্গত?

(1) কাল সংহতি (2) নিকা সংহতি (3) পুৰুষ সংহতি (4) ব্ৰহ্ম সংহতি



4. 'মিৰি জিম' কি ?

- (1) বজনীকান্ত বৰদলৈৰ এখন উপন্যাসৰ নাম
- (2) মিছিং সকলৰ এবিধ পৰম্পৰাগত খাদ্য
- (3) গৰমকালি ব্যৱহাৰ কৰা এবিধ বস্ত্ৰ
- (4) শীতকালী ব্যৱহাৰ কৰা এবিধ বস্ত্ৰ

5. চৰাই ধানে খালে চিটিকি পৰিলে

উফৰি পৰিল কন।

কিনো চাই আছ গগৈ ৰাজখোৱা

মানতৰাই জিকিলে বন।।

এই গীতফাঁকি কি গীত বুলি জনা যায় ?

- (1) জনা গাভৰুৰ গীত
- (2) বৰফুকনৰ গীত
- (3) মনিকোঁৱৰৰ গীত
- (4) নাহৰ গীত

6. তুমি নিৰঞ্জন পাতক ভঞ্জন।

দানৱ গঞ্জন গোপিকা ৰঞ্জন।।

উক্ত পদ কেইফাঁকিত তলত দিয়া কোনবিধ অনুপ্ৰাসৰ প্ৰয়োগ কৰা হৈছে ?

- (1) অন্ত্যানুপ্ৰাস
- (2) বৃত্তানুপ্ৰাস
- (3) লাটানুপ্ৰাস
- (4) ছেকানুপ্ৰাস

7. 'গোজৰ্' ধাতুটো কোন শ্ৰেণীৰ ধাতু ?

- (1) পাঁচনী ধাতু
- (2) নাম ধাতু
- (3) প্ৰত্যয়ান্ত ধাতু
- (4) দেশী ধাতু

8. 'ভদীয়া' শব্দটোৰ প্ৰত্যয় গঠন হৈছে-

- (1) ভদ্ + ঙীয়া
- (2) ভদী + আ
- (3) ভাদ + ঙীয়া
- (4) ভদী + যা

9. 'অসমীয়া লোক-সাহিত্যৰ ৰূপৰেখা' গ্ৰন্থখনৰ প্ৰণেতা কোন ?

- (1) লীলা গগৈ
- (2) নবীন চন্দ্ৰ শৰ্মা
- (3) বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱা
- (4) প্ৰফুল্ল দত্ত গোস্বামী



10. 'তুলনামূলক সাহিত্য আৰু অনুবাদ বিচাৰ' গ্ৰন্থখন কাৰ ৰচনা?
- (1) প্ৰফুল্ল কটকী
  - (2) উমেশ ডেকা
  - (3) কৰবী ডেকা হাজৰিকা
  - (4) নীৰাজনা মহন্ত বেজবৰা
11. 'চিতিপটি' হৈছে-
- (1) মহিলাই মূৰত বা শিৰত পিন্ধা এবিধ অলংকাৰ
  - (2) আকাশৰ এক তৰাৰ থূলৰ নাম
  - (3) কমাৰশালৰ এবিধ সঁজুলি
  - (4) তাঁতশালৰ এবিধ সঁজুলি
12. 'আগালমাকা' হৈছে-
- (1) ৰাভাসকলৰ মৃতকৰ সংস্কাৰ অনুষ্ঠান
  - (2) মিজোসকলৰ বসন্ত উৎসৱ
  - (3) গাৰোসকলৰ কৃষিভিত্তিক উৎসৱ
  - (4) ডিমাছাসকলৰ বিবাহ উৎসৱ
13. 'শ্ৰীহস্ত মুক্তাৱলী' গ্ৰন্থখনৰ প্ৰনেতাগৰাকী কোন?
- (1) বকুল কায়স্থ
  - (2) ভৱ মিশ্ৰ
  - (3) মধুমিশ্ৰ বিদ্যাবাগীশ
  - (4) শূভংকৰ
14. 'অসমীয়া খন্ড-বাক্যকোষ' গ্ৰন্থখন কাৰ ?
- (1) সত্যনাথ বৰা
  - (2) কালিৰাম মেধি
  - (3) বেনুধৰ ৰাজখোৱা
  - (4) বাণীকান্ত কাকতি
15. 'পুৰুচৰিত কথা'ৰ ৰচনাকাল হৈছে-
- (1) পঞ্চদশ শতিকা
  - (2) ষষ্ঠদশ শতিকা
  - (3) সপ্তদশ শতিকা
  - (4) অষ্টদশ শতিকা



16. "The Mother Goddess Kamakhya" গ্ৰন্থখনৰ ৰচকজন হ'ল-

- |                       |                     |
|-----------------------|---------------------|
| (1) বাণীকান্ত কাকতি   | (2) সূৰ্যকুমাৰ ভূঞা |
| (3) নিৰ্মলপ্ৰভা বৰদলৈ | (4) মহেশ্বৰ নেওগ    |

17. 'গুৰু চৰিত কথা'ৰ প্ৰথম বক্তাজন-

- |                    |                         |
|--------------------|-------------------------|
| (1) বদুলা পদ্ম আতা | (2) গোপাল আতা           |
| (3) নাৰায়ন দাস    | (4) চক্ৰপাণি বৈৰাগী আতা |

18. পাঠ-সমীক্ষা বিষয়টো অসমীয়া ভাষা-সাহিত্য চৰ্চাৰ বিদ্যায়তনিক পাঠ্যক্ৰমলৈ অনা প্ৰথম পন্ডিতগৰাকী আছিল-

- |                     |                          |
|---------------------|--------------------------|
| (1) বাণীকান্ত কাকতি | (2) বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱা |
| (3) মহেশ্বৰ নেওগ    | (4) সত্যেন্দ্ৰনাথ শৰ্মা  |

19. 'জোনাকী'-ৰ সম্পাদনাৰ ভাৰ জোনাকীৰ প্ৰকাশৰ কোনটো বৰ্ষত প্ৰথমে লক্ষীনাথ বেজবৰুৱাই গ্ৰহণ কৰিছিল ?

- |                 |                   |
|-----------------|-------------------|
| (1) প্ৰথম বৰ্ষ  | (2) দ্বিতীয় বৰ্ষ |
| (3) তৃতীয় বৰ্ষ | (4) চতুৰ্থ বৰ্ষ   |

20. মামণি ৰয়ছম গোস্বামীয়ে কোনখন উপন্যাসৰ কাৰণে সাহিত্য অকাডেমীৰ বঁটা লাভ কৰিছিল ?

- |                      |                                  |
|----------------------|----------------------------------|
| (1) আধালেখা দস্তাবেজ | (2) দঁতাল হাতীৰ উঁয়ে খোৱা হাওদা |
| (3) নীলকণ্ঠী ব্ৰজ    | (4) মামৰে ধৰা তৰোৱাল             |

তলৰ 21-ৰ পৰা 30 -লৈ প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ লগত চাৰিটাকৈ প্ৰসংগ দিয়া আছে আৰু উত্তৰস্বৰূপে সেই প্ৰসংগ সমূহৰ পৰা চাৰিটা বিকল্প (1),(2),(3),(4) দিয়া আছে। শুদ্ধ উত্তৰটো বাছি উলিওৱা :

21. তলত উল্লেখ কৰা গ্ৰন্থসমূহৰ কোন দুখন বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱাৰ ?

- |  |
|--|
| (a) A History of Assamese Literature   |
| (b) Early History of Kamrupa           |
| (c) Cultural History of Assam          |
| (d) The Background of Assamese Culture |

- |                 |                 |                 |                 |
|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|
| (1) (a) আৰু (c) | (2) (c) আৰু (d) | (3) (b) আৰু (d) | (4) (a) আৰু (d) |
|-----------------|-----------------|-----------------|-----------------|



22. তলত দিয়া চৰিত্ৰসমূহৰ ভিতৰত একেখন উপন্যাসৰ দুটা চৰিত্ৰ হৈছে-

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (a) সুপ্ৰভা     | (b) জেতুকী      |
| (c) মাধৱী       | (d) মানসী       |
| (1) (a) আৰু (d) | (2) (c) আৰু (d) |
| (3) (a) আৰু (b) | (4) (b) আৰু (d) |

23. পদ্মনাথ গোস্বামীৰে বৰাই সম্পাদনা কৰা দুখন আলোচনী হৈছে-

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (a) বিজুলী      | (b) বাঁহী       |
| (c) জোনাকী      | (d) উষা         |
| (1) (a) আৰু (b) | (2) (c) আৰু (d) |
| (3) (b) আৰু (c) | (4) (a) আৰু (d) |

24. তলৰ কোন দুজন একেধাৰে প্ৰতিষ্ঠিত কবি আৰু প্ৰবন্ধকাৰ ?

- |                        |                      |
|------------------------|----------------------|
| (a) নলিনীধৰ ভট্টাচাৰ্য | (b) হীৰেণ ভট্টাচাৰ্য |
| (c) হীৰেন্দ্ৰনাথ দত্ত  | (d) ৰাম গগৈ          |
| (1) (b) আৰু (c)        | (2) (a) আৰু (c)      |
| (3) (b) আৰু (d)        | (4) (a) আৰু (d)      |

25. তলত দিয়া কোন দুজন অভিধান প্ৰনেতা ?

- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| (a) যদুৰাম ডেকাবৰুৱা | (b) মাইল্‌চ ব্ৰাউন |
| (c) গুণাভিৰাম বৰুৱা  | (d) নাথান ব্ৰাউন   |
| (1) (a) আৰু (b)      | (2) (b) আৰু (d)    |
| (3) (a) আৰু (c)      | (4) (c) আৰু (d)    |



26. সৰ্পদেৱী মনসাৰ নাম ওতপ্ৰোত ভাৱে জড়িত হৈ থাকে-

- |                        |                      |
|------------------------|----------------------|
| (a) সুকন্ননী ওজাপালিত  | (b) ভাউৰা ওজাপালিত   |
| (c) টুকুৰীয়া ওজাপালিত | (d) বিয়াহৰ ওজাপালিত |
| (1) (a) আৰু (c)        | (2) (a) আৰু (d)      |
| (3) (b) আৰু (d)        | (4) (c) আৰু (d)      |

27. দুটা ধ্বন্যাঙ্ক শব্দৰ উদাহৰণ-

- |                 |                 |
|-----------------|-----------------|
| (a) মাছ-মাছ     | (b) কল্-কল্     |
| (c) ফুচ্-ফুচ্   | (d) জাৰ-জাৰ     |
| (1) (a) আৰু (d) | (2) (b) আৰু (c) |
| (3) (a) আৰু (c) | (4) (b) আৰু (d) |

28. 'অসম উপত্যকা বঁটা'প্ৰাপক দুজন লেখক-

- |                 |                  |
|-----------------|------------------|
| (a) হিতেশ ডেকা  | (b) মহেন্দ্ৰ বৰা |
| (c) নীলমণি ফুকন | (d) সমীৰ তাঁতী   |
| (1) (a) আৰু (b) | (2) (a) আৰু (c)  |
| (3) (b) আৰু (c) | (4) (c) আৰু (d)  |

29. আনন্দচন্দ্ৰ বৰুৱাৰ দুখন কবিতাপুঁথি-

- |                 |                   |
|-----------------|-------------------|
| (a) পৰাগ        | (b) সন্ধিয়াৰ সুৰ |
| (c) হাফিজৰ সুৰ  | (d) সপোনৰ সুৰ     |
| (1) (a) আৰু (c) | (2) (a) আৰু (d)   |
| (3) (b) আৰু (c) | (4) (b) আৰু (d)   |





33.

‘ক’ স্তম্ভ

‘খ’ স্তম্ভ

- (a) পনিয়লি ছাঁ ফালি যায়  
থাউনি হেৰোৱা উজাগৰ দুচকু
- (b) গছ নীলা কুৰুৱা পাহাৰ জ্বলে
- (c) আঘোনৰ আকাশতো উৰুলিৰ  
বাগী আছে
- (d) সেই উভালি পৰা এজোপা গছ

- (i) নৱকান্ত বৰুৱা
- (ii) কেশৱ মহন্ত
- (iii) নীলমণি ফুকণ
- (iv) হীৰেণ ভট্টাচাৰ্য

(a) (b) (c) (d)

- (1) (i) (ii) (iv) (iii)
- (2) (iv) (iii) (ii) (i)
- (3) (iii) (i) (iv) (ii)
- (4) (iv) (i) (ii) (iii)

34.

‘ক’ স্তম্ভ

‘খ’ স্তম্ভ

- (a) ওমলা গীত
- (b) আইনাম
- (c) ধাইনাম
- (d) মালিতা

- (i) উজায়ে আহিলে আইৰে সাতোভনী
- (ii) শিয়ালী এ’ নাহিবি ৰাতি
- (iii) লায়ে কান্দিলে লেছায়ে কান্দিলে মাকৰ মুখলৈ চাই
- (iv) উকুলি মুকুলি দুকুলি কাঁহী

(a) (b) (c) (d)

- (1) (iv) (iii) (ii) (i)
- (2) (iv) (iii) (i) (ii)
- (3) (i) (ii) (iv) (iii)
- (4) (i) (ii) (iii) (iv)

J-3615



9

Paper-III

35. 'ক' স্তম্ভ
- (a) কানাই বৰশী বোৱা শিলালিপি  
(b) উমাচল শিলালিপি  
(c) নিধানপুৰ তামৰ ফলি  
(d) নগাজৰী খনিকৰ গাঁৱৰ শিলালিপি
- (a) (b) (c) (d)
- (1) (iii) (i) (ii) (iv)  
(2) (iv) (iii) (i) (ii)  
(3) (iii) (iv) (ii) (i)  
(4) (iv) (ii) (i) (iii)

- 'খ' স্তম্ভ
- (i) সপ্তম শতিকা  
(ii) চতুৰ্থ শতিকা  
(iii) পঞ্চম শতিকা  
(iv) ত্ৰয়োদশ শতিকা

36. 'ক' স্তম্ভ
- (a) লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা  
(b) মহেশ্বৰ নেওগ  
(c) নকুল চন্দ্ৰ ভূঞা  
(d) ডিম্বেশ্বৰ নেওগ
- (a) (b) (c) (d)
- (1) (iv) (iii) (ii) (i)  
(2) (iv) (ii) (iii) (i)  
(3) (i) (iii) (iv) (ii)  
(4) (iv) (ii) (i) (iii)

'খ' স্তম্ভ

- (i) যুগনায়ক শংকৰদেৱ  
(ii) ৰাধাকান্ত সন্দিকৈ  
(iii) শ্ৰী শ্ৰী শংকৰদেৱ  
(iv) ডাঙৰীয়া দীননাথ বেজবৰুৱা

37. 'ক' স্তম্ভ
- (a) বাৰমাহৰ তেৰ গীত  
(b) কাৰ্বি জনগোষ্ঠী  
(c) অসমৰ লোক সংস্কৃতিৰ চমু আভাস  
(d) উছৱৰ ভোগজৰা
- (a) (b) (c) (d)
- (1) (i) (ii) (iii) (iv)  
(2) (iv) (iii) (i) (ii)  
(3) (iv) (iii) (ii) (i)  
(4) (i) (iv) (iii) (ii)

'খ' স্তম্ভ

- (i) নবীনচন্দ্ৰ শৰ্মা  
(ii) অতুলচন্দ্ৰ হাজৰিকা  
(iii) লংকাম টেৰণ  
(iv) প্ৰফুল্ল দত্ত গোস্বামী



38. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                          |                    |
|--------------------------|--------------------|
| (a) দৈরচন্দ্র তালুকদাৰ   | (i) ককাদেউতাৰ হাড় |
| (b) চন্দ্রপ্রসাদ শইকীয়া | (ii) জোনাকীৰ জুই   |
| (c) যোগেশ দাস            | (iii) মেঘমল্লাৰ    |
| (d) নৱকান্ত বৰুৱা        | (iv) অপূৰ্ণ        |

(a) (b) (c) (d)

- (1) (iii) (ii) (i) (iv)  
 (2) (iv) (i) (ii) (iii)  
 (3) (iv) (iii) (ii) (i)  
 (4) (ii) (i) (iii) (iv)

39. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                                  |                           |
|----------------------------------|---------------------------|
| (a) Structure of Assamese        | (i) গোলকচন্দ্র গোস্বামী   |
| (b) An Introduction to Assamese  | (ii) উপেন্দ্রনাথ গোস্বামী |
| (c) Evolution of Assamese Script | (iii) কালিৰাম মেধি        |
| (d) Assamese Grammer and         | (iv) মহেন্দ্ৰ বৰা         |

Origin of the Assamese Language

(a) (b) (c) (d)

- (1) (i) (ii) (iv) (iii)  
 (2) (iii) (iv) (i) (ii)  
 (3) (iv) (iii) (ii) (i)  
 (4) (i) (iii) (iv) (ii)

40. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |  |                        |
|--|------------------------|
| (a) A Introduction to<br>Study of Literature | (i) E.M.Forster        |
| (b) Aspects of the Novel                     | (ii) Marjori Boulton   |
| (c) The Theory of Drama                      | (iii) Allardyce Nicoll |
| (d) The Anatomy of Prose                     | (iv) W.H.Hudson        |

(a) (b) (c) (d)

- (1) (ii) (i) (iv) (iii)  
 (2) (i) (iv) (ii) (iii)  
 (3) (iv) (iii) (i) (ii)  
 (4) (iv) (i) (iii) (ii)



41. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                |               |
|----------------|---------------|
| (a) কোল-মুন্ডা | (i) পোখা      |
| (b) টাই        | (ii) ডিগবৈ    |
| (c) মালয়      | (iii) লাওপানী |
| (d) বড়ো       | (iv) লাটুম    |
- (a) (b) (c) (d)
- |                         |
|-------------------------|
| (1) (iv) (i) (iii) (ii) |
| (2) (iii) (i) (ii) (iv) |
| (3) (i) (iv) (ii) (iii) |
| (4) (ii) (iii) (i) (iv) |

42. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                   |            |
|-------------------|------------|
| (a) আসাম বিলাসিনী | (i) 1907   |
| (b) মৌ            | (ii) 1871  |
| (c) উষা           | (iii) 1981 |
| (d) প্রান্তিক     | (iv) 1886  |
- (a) (b) (c) (d)
- |                         |
|-------------------------|
| (1) (iii) (ii) (iv) (i) |
| (2) (iv) (i) (ii) (iii) |
| (3) (ii) (iv) (i) (iii) |
| (4) (i) (ii) (iii) (iv) |

43. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                    |               |
|--------------------|---------------|
| (a) ভক্তি বত্নাকৰ  | (i) ভট্টদেৱ   |
| (b) ভক্তি বিবেক    | (ii) শংকৰ দেৱ |
| (c) গীতি ৰামায়ণ   | (iii) মাধৱদেৱ |
| (d) ভক্তি ৰত্নাৱলী | (iv) দুৰ্গাবৰ |
- (a) (b) (c) (d)
- |                         |
|-------------------------|
| (1) (iii) (ii) (iv) (i) |
| (2) (iii) (i) (iv) (ii) |
| (3) (iii) (iv) (ii) (i) |
| (4) (ii) (i) (iv) (iii) |



44. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                   |               |
|-------------------|---------------|
| (a) লভিতা         | (i) জুনাফা    |
| (b) কাৰেঙৰ লিগিৰী | (ii) ৰূপকোঁৱৰ |
| (c) ৰূপালীম       | (iii) গোলাপ   |
| (d) নিমাতী কইনা   | (iv) অনংগৰাম  |

(a) (b) (c) (d)

- (1) (ii) (iii) (i) (iv)  
(2) (iii) (iv) (i) (ii)  
(3) (i) (ii) (iv) (iii)  
(4) (iv) (i) (iii) (ii)

45. 'ক' স্তম্ভ 'খ' স্তম্ভ
- |                              |                      |
|------------------------------|----------------------|
| (a) ছোভিয়েট দেশত এভুমুকি    | (i) হেমলতা দত্ত      |
| (b) কাৰেৰীৰ পাৰে পাৰে        | (ii) হেমাঙ্গ বিশ্বাস |
| (c) আকৌ চীন চাই আহিলো        | (iii) হেমন্ত শৰ্মা   |
| (d) অলকানন্দাৰ পৰা সাগৰতীৰলৈ | (iv) অমলেন্দু গুহ    |

(a) (b) (c) (d)

- (1) (iv) (iii) (ii) (i)  
(2) (i) (ii) (iii) (iv)  
(3) (ii) (iv) (i) (iii)  
(4) (iii) (i) (iv) (ii)



তলৰ 46-ৰ পৰা 60-লৈ থকা প্রশ্নসমূহৰ প্ৰতিটো প্রশ্নতে উল্লেখ কৰা আলোচনী/পুথি/লেখক/ঘটনা আদিক সময় অনুসৰি একাদিক্ৰমত তালিকাভুক্ত কৰি (1),(2),(3),(4) চাৰিটা গোট কৰা হৈছে। তাৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো বাছি উলিওৱা।

46. (a) প্ৰমোদ চন্দ্ৰ ভট্টাচাৰ্য (b) বীৰেন্দ্ৰনাথ দত্ত  
(c) নবীন চন্দ্ৰ শৰ্মা (d) ভৃগুমোহন গোস্বামী
- (1) (a) (d) (b) (c)  
(2) (b) (c) (a) (d)  
(3) (a) (b) (c) (d)  
(4) (b) (d) (c) (a)

47. (a) সত্যেন্দ্ৰ নাৰায়ণ গোস্বামী (b) নগেন ঠাকুৰ  
(c) ভীমকান্ত বৰুৱা (d) উপেন্দ্ৰনাথ গোস্বামী
- (1) (d) (a) (b) (c)  
(2) (a) (c) (d) (b)  
(3) (c) (a) (d) (b)  
(4) (a) (d) (b) (c)

48. (a) বঙলা - অসমীয়া অভিধান (b) শৰাইঘাট অভিধান  
(c) হেমকোষ (d) আধুনিক অসমীয়া শব্দকোষ
- (1) (a) (c) (b) (d)  
(2) (c) (d) (b) (a)  
(3) (b) (d) (c) (a)  
(4) (a) (c) (d) (b)



49. (a) নতুন পোহৰত অসমীয়া সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী

(b) অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ বুৰঞ্জী

(c) অসমীয়া সাহিত্যৰ ৰূপৰেখা

(d) অসমীয়া সাহিত্যত দৃষ্টিপাত

(1) (b) (a) (c) (d)

(2) (b) (c) (d) (a)

(3) (c) (b) (d) (a)

(4) (a) (b) (c) (d)

50. (a) হীৰেন গৌঁহাই

(b) শৈলেন ভৰালী

(c) উপেন্দ্ৰনাথ শৰ্মা

(d) ত্ৰৈলোক্যনাথ গোস্বামী

(1) (a) (c) (b) (d)

(2) (d) (c) (a) (b)

(3) (d) (a) (b) (c)

(4) (c) (b) (d) (a)

51. (a) বিজুলী

(b) জয়ন্তী

(c) পছোৱা

(d) ৰামধেনু

(1) (c) (a) (b) (d)

(2) (d) (b) (c) (a)

(3) (a) (b) (c) (d)

(4) (b) (d) (a) (c)



52. (a) অসমীয়া ভাষা আৰু সংস্কৃতি  
(b) পুৰণি অসমৰ সমাজ আৰু সংস্কৃতি  
(c) মিচিং সংস্কৃতিৰ আলোচ্য  
(d) অসমীয়া লোক-সংস্কৃতিৰ আভাস
- (1) (d) (c) (b) (a)  
(2) (b) (c) (a) (d)  
(3) (c) (a) (d) (b)  
(4) (a) (b) (c) (d)

53. (a) মনোমতী (b) ভানুমতি  
(c) পদুম কুঁৱৰী (d) মিৰিজীয়াৰী
- (1) (a) (b) (c) (d)  
(2) (b) (d) (a) (c)  
(3) (d) (c) (b) (a)  
(4) (b) (a) (d) (c)

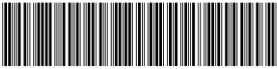
54. (a) ভাষাবিজ্ঞানৰ ভূমিকা (b) ভাষাতত্ত্ব  
(c) ভাষাবিজ্ঞান উপক্ৰমনিকা (d) ভাষা বিজ্ঞান
- (1) (d) (a) (b) (c)  
(2) (c) (d) (a) (b)  
(3) (b) (d) (c) (a)  
(4) (c) (a) (b) (d)



55. (a) ৰূপৰ টিলিঙাৰ মাত (b) নৰমল্লিকা  
(c) জ্ঞানমালিনী (d) বাৰীকোঁৱৰ
- (1) (d) (b) (c) (a)  
(2) (a) (b) (c) (d)  
(3) (c) (b) (a) (d)  
(4) (b) (c) (d) (a)

56. (a) যতীন্দ্রনাথ দুৱৰা (b) চন্দ্ৰপ্ৰসাদ শইকীয়া  
(c) অনিমা দত্ত (d) অৰুনা নটপীয়া কলিতা
- (1) (c) (d) (a) (b)  
(2) (b) (a) (c) (d)  
(3) (d) (c) (b) (a)  
(4) (a) (b) (c) (d)

57. (a) অসমীয়া উপন্যাসৰ গতিধাৰা (b) অসমীয়া গল্প সাহিত্য  
(c) আধুনিক সাহিত্য (d) ভাষা আৰু সাহিত্য
- (1) (a) (b) (c) (d)  
(2) (c) (d) (b) (a)  
(3) (d) (b) (c) (a)  
(4) (b) (a) (d) (c)



58. (a) নগেন্দ্র নাৰায়ণ চৌধুৰী

(b) নৱকান্ত বৰুৱা

(c) নিধি লিৰাই ফাৰোৱেল

(d) নিৰুপমা বৰগোহাঞি

(1) (c) (a) (b) (d)

(2) (a) (b) (d) (c)

(3) (d) (b) (a) (c)

(4) (c) (a) (d) (b)

59. (a) উত্তৰাকাণ্ড

(b) কিষ্কিন্দা কাণ্ড

(c) লংকাকাণ্ড

(d) সুন্দৰাকাণ্ড

(1) (a) (b) (d) (c)

(2) (d) (a) (b) (c)

(3) (b) (d) (c) (a)

(4) (d) (b) (c) (a)

60. (a) বৰুৱাহনৰ যুদ্ধ

(b) মৃগাৱতী চৰিত্ৰ

(c) অদ্ভুত ৰামায়ণ

(d) জন্মৰহস্য

(1) (d) (c) (a) (b)

(2) (b) (a) (d) (c)

(3) (c) (b) (a) (d)

(4) (a) (d) (c) (b)



তলৰ 61-ৰ পৰা 65 -লৈ দিয়া প্ৰতিটো মন্তব্য যুক্তিৰে বিশ্লেষণ কৰি বা কাৰ্যকাৰণ নিৰ্ণয় কৰি (1), (2), (3), (4) চাৰিটা বিকল্প দিয়া হৈছে। তাৰ মাজৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো বাছি উলিওৱা।

61. মুখ চন্দ্ৰ সম শোভে                      পদ্মৰ সুৰভি লোহে

বেঢ়ি মধুকৰে কৰে ৰোল।

- (1) পদৰ্শ্যকিত ভ্ৰান্তিমান অলংকাৰৰ প্ৰয়োগ হৈছে, কাৰণ ইয়াত কিছুমান ভুল বা বিভ্ৰান্তিমূলক কথাৰ অৱতাৰনা কৰা হৈছে।
- (2) ইয়াত উল্লেখ থকা বস্তুবোৰৰ ইমানেই অতিশয় সাদৃশ্য দেখুওৱা হৈছে যে এটা বস্তুক আন এটা বুলি কল্পনা কৰি ভুলত কৰা হৈছে। সেয়ে ইয়াত ভ্ৰান্তিমান অলংকাৰৰ প্ৰয়োগ কৰা হৈছে।
- (3) পদৰ্শ্যকিত বৰ্ণনা কৰা বস্তুবিলাকৰ ৰূপ-গুণাদিৰ বৰ্ণনা সঠিক হোৱাৰ বাবে ইয়াক স্বভাৱোক্তি বুলি ক'ব পৰা যায়।
- (4) ইয়াত উল্লেখ থকা বস্তুত অসম্ভৱ ধৰ্ম বা কাৰ্য কল্পনা কৰা হোৱাৰ বাবে পদৰ্শ্যকিত নিদৰ্শনা অলংকাৰৰ প্ৰয়োগ কৰা হৈছে।

62. “অসমৰ জনজাতীয় আৰু অজনজাতীয় উভয় সমাজতে আধুনিকতাৰ প্ৰভাৱ অস্বীকাৰ কৰিব নোৱাৰি।”

- (1) ইয়াৰ পৰিণতিত অসমৰ জনজাতীয় আৰু অজনজাতীয় সমাজে নিজা নিজা সুকীয়া বৈশিষ্ট্য হেৰুৱাইছে।
- (2) ইয়াৰ পৰিণতিত জনজাতীয় আৰু অজনজাতীয় উভয় সমাজে নিজস্ব ভাষা নোকোৱা হৈছে।
- (3) ইয়াৰ পৰিণতিত জনজাতীয় আৰু অজনজাতীয় উভয় সমাজৰে পৰস্পৰাগত জীৱনত পৰিৱৰ্তন আৰু উত্তৰণ প্ৰক্ৰিয়াৰ কাৰ্যকাৰিতা পৰিলক্ষিত হৈছে।
- (4) ইয়াৰ পৰিণতিত জনজাতীয় সমাজৰ পৰস্পৰাগত জীৱনত পৰিৱৰ্তন সাধিত হৈছে আৰু অজনজাতীয় সমাজত প্ৰক্ৰিয়াৰ কাৰ্যকাৰিতা পৰিলক্ষিত হৈছে।

63. “হেন শুনি জামৰন্ত।

ধাইলা মহা বলৰন্ত ॥

নিচিনি স্বামীক পাছে।

ধৰিলন্ত যুদ্ধ কাছে” ॥

- (1) পদৰ্শ্যকি ৰূপ ছন্দৰ উদাহৰণ। কাৰণ, ই ছয় আখৰীয়া আখৰীয়া আৰু ইয়াৰ দুই দুই চৰণৰ শেষ আখৰ মিলি আছে।
- (2) পদৰ্শ্যকি বুমুৰী ছন্দৰ উদাহৰণ। কাৰণ, ইয়াত দুই শাৰীত আঠোটাকৈ ষোল্লটা আখৰ আছে আৰু শেষত যতি পৰা দুয়োটা শাৰী মিত্ৰাক্ষৰী।
- (3) ছয় আখৰীয়া চাৰিটাকৈ চৰণ আছে আৰু শেষত যতি পৰা চৰণ চাৰিটাৰ শেষ আখৰৰ মিল আছে বাবে ইয়াত কুসুম মালা ছন্দৰ প্ৰয়োগ হৈছে।
- (4) এই পদৰ্শ্যকিৰ প্ৰথম আৰু দ্বিতীয় চৰণত আঠোটাকৈ আখৰ আছে আৰু ই ছয় চৰনীয়া বাবে ইয়াত মৃদু ছন্দৰ প্ৰয়োগ হৈছে।



64. শুকান বাঁহখাৰি সহজে জ্বলে।

-এই বাক্যটো এটা কৰ্মকৰ্তৃবাক্য। কৰণ-

- (1) বাক্যটোত কৰ্মই প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে। (2) বাক্যটোত কৰ্তাই প্ৰাধান্য লাভ কৰিছে।  
(3) বাক্যটোত কৰ্মই কৰ্তাৰ দৰে কাম কৰিছে। (4) বাক্যটোত ক্ৰিয়াই কৰ্মৰ দৰে কাম কৰিছে।

65. “প্ৰাচীন অসমীয়া সাহিত্যত সাগৰ-বৰ্ণনাৰ প্ৰাচুৰ্য নাই।...সাগৰ সম্বন্ধীয় উপমা সমূহ ঘাইকৈ সংস্কৃত সাহিত্যক অনুকৰণ কৰিয়েই ৰচিত হৈছে।” এনে হোৱাৰ কাৰণ হৈছে-

- (1) অসম দেশৰ ভৌগলিক পৰিস্থিতিৰ বাবে প্ৰাচীন অসমীয়া কবিৰ সাগৰৰ সৈতে প্ৰত্যক্ষ পৰিচয়ৰ অভাৱ।  
(2) অসম নদীমাতৃক দেশ বাবে প্ৰাচীন অসমীয়া কবিয়ে সাগৰৰ বৰ্ণনা কৰাতকৈ নদীৰ বৰ্ণনা তথা বন্দনা কৰাটো কৰ্তব্যজ্ঞান কৰিছিল।  
(3) প্ৰাচীন অসমীয়া সাহিত্য মূলতঃ সংস্কৃত সাহিত্যৰ আধাৰত সৃষ্টি হৈছিল।  
(4) সংস্কৃত সাহিত্যৰ অনুকৰণ কৰি প্ৰাচীন অসমীয়া কবিয়ে সাগৰ বৰ্ণনা কৰিবলৈ আগ্ৰহী নাছিল।

তলৰ 66-ৰ পৰা 70-লৈ দিয়া প্ৰতিটো উক্তি (Assertion) আৰু যুক্তি (Reason) হিচাপে উল্লেখ কৰা বিবৃতি দুটাৰ বিষয়ে যুগুতোৱা (1), (2), (3), (4) -ৰ পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো নিৰ্ণয় কৰা।

66. উক্তি : ‘অৰুনোদই’ কাকতে অসমীয়া ভাষা-সাহিত্যক সঞ্জীৱনী সুধা দান কৰিছিল।

যুক্তি : ‘অৰুনোদই’-ৰ সময়ত অসমীয়া ভাষা-সাহিত্যৰ অস্তিত্ব নাছিল।

- (1) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ (2) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ  
(3) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ

67. উক্তি : আৰবী-ফাৰ্চী শব্দৰ লগতে ইচলামীয় ভাৱধাৰাৰো অসমীয়া সাহিত্যত প্ৰৱেশ কৰিলে।

যুক্তি : আৰবী-ফাৰ্চী শব্দৰ ব্যৱহাৰেই অসমীয়া সাহিত্যত ইচলামীয় ভাৱধাৰাৰ প্ৰৱেশ বাট মুকলি কৰিলে।

- (1) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ (2) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ  
(3) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ (4) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ



68. **উক্তি :** আহোম সকলৰ অসমীয়া সাহিত্যলৈ সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ দান হৈছে বুৰঞ্জী।  
**যুক্তি :** অসমীয়া সাহিত্যক বুৰঞ্জী ৰাজিয়ে অপূৰ্বভাবে মহীয়ান আৰু গৌৰৱান্বিত কৰি ৰাখিছে।
- (1) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ (2) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ  
(3) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ (4) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ
69. **উক্তি :** পৌৰাণিক কাহিনীৰ গইনা লৈ ৰচিত হোৱা মালিতা কেইটিতো সময়ৰ আৰু বুৰঞ্জীৰ আঁচোৰ নপৰাকৈ আছে বুলি ক'ব নোৱাৰি। বৰঞ্চ ফুলকোঁৱৰ, মণিকোঁৱৰৰ গীত বুৰঞ্জীৰ বাস্তৱ তথ্যৰে ভাৰাক্ৰান্ত হৈ পৰিছে।  
**যুক্তি :** অসমীয়া মালিতাবোৰত সদায়েই বুৰঞ্জীৰ সঠিক তথ্য পোৱা যায়।
- (1) যুক্তি অশুদ্ধ, উক্তি অশুদ্ধ (2) যুক্তি শুদ্ধ, উক্তি শুদ্ধ  
(3) যুক্তি অশুদ্ধ, উক্তি শুদ্ধ (4) যুক্তি শুদ্ধ, উক্তি অশুদ্ধ
70. **উক্তি :** বৈদিক আৰ্যসকলৰ জন প্ৰব্ৰজন আৰু সাংস্কৃতিক সংক্ৰমনৰ জৰিয়তে প্ৰাচীন অসমৰ অধিবাসীসকলৰ সাংস্কৃতিক জীৱনত কোনোধৰনৰ পৰিৱৰ্তন সাধিত হোৱা নাছিল।  
**যুক্তি :** অসমলৈ বৈদিক আৰ্যসকলৰ জন প্ৰব্ৰজন ঘটা নাছিল।
- (1) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ (2) উক্তি অশুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ  
(3) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি শুদ্ধ (4) উক্তি শুদ্ধ, যুক্তি অশুদ্ধ

তলত দিয়া কথাখিনি ভালকৈ পঢ়ি 71-ৰ পৰা 75-লৈকে সংলগ্ন প্ৰশ্নসমূহৰ শুদ্ধউত্তৰ (1), (2), (3) আৰু (4) ৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱা :

ভাষিক দিশৰপৰা ক'ব পৰা যায় যে চীন দেশৰ পশ্চিম অঞ্চলত পুৰণি কালত বাস কৰা মংগ'লীয় লোকৰ ভাষা চীনীয়-তিব্বতীয়। সেই ভাষাৰ উৎপত্তিও তাতেই। পিছত প্ৰাগৈতিহাসিক কালতেই তাৰপৰা তেওঁলোকৰ প্ৰব্ৰজন আৰম্ভ হোৱাৰ লগে লগে সেই ভাষা তাৰ পূব আৰু দক্ষিণ দিশলৈ প্ৰসাৰিত হৈ পৰে। এই ভাষাৰ - দুটা প্ৰধান ভাগ। সেই দুটা হ'ল, শ্যামীয়-চীনীয় আৰু তিব্বতীয়-বৰ্মী। তিব্বতীয়-বৰ্মী ভাষাৰ আকৌ কেইবাটাও উপভাগ। তিব্বত, হিমালয়ৰ দক্ষিণাঞ্চল, ছিকিম, নেপাল, আদিত এই প্ৰকাৰ ভাষাৰ প্ৰচলন। এটা উপভাগৰ নাম উত্তৰ-অসম গোট। অৰুণাচলৰ কেইবাটাও জনসমষ্টি এই ভাষা গোটৰ অন্তৰ্গত। তিব্বতীয়-বৰ্মী ভাষাৰ এটা অন্যতম ভাগৰ নাম অসম-বৰ্মা গোট। এই ভাগটোক আকৌ কিছুমান উপভাগত বিভক্ত কৰিব পাৰি, যেনে, কছাৰী, গাৰো, ৰাভা, মেচ, আদিয়ে কোৱা বড়ো ভাষা, নগাসকলৰ ভাষা, ত্ৰিপুৰা, মণিপুৰ, মিজোৰাম, আদিৰ কোনো কোনো জনসমষ্টিয়ে কোৱা কুকী-চীন ভাষা, উত্তৰ ম্যানমাৰত প্ৰচলিত কাচিন-লল' ভাষা আৰু ম্যানমাৰৰ কিছুমান জনসমষ্টিৰ ভাষা। বৰ্তমানৰ আলোচনা প্ৰসংগত এই ভাষা গোটৰ কিছুমান লোকৰ বিষয়ে জনাটো নিত্যন্ত প্ৰয়োজনীয়।



তিব্বতীয়-বর্মীভাষী মংগ'লীয় লোকৰ মূল বাসস্থান চীনদেশৰ দক্ষিণ-পশ্চিম অঞ্চলৰ ইয়াংচিকিয়াং আৰু হোৱাংহো নদীৰ উজনিভাগ। প্ৰাচীন কালত কোনো এটা সময়ত তেওঁলোকৰ এটা দলে নিজৰ আদি বাসস্থানৰপৰা দক্ষিণলৈ যাত্ৰা আৰম্ভ কৰি ম্যানমাৰৰ উত্তৰ-পূব অঞ্চল পায়হি আৰু তাৰপৰা তেওঁলোকৰ এটা প্ৰধান ভাগ দক্ষিণলৈ গৈ থাকি দক্ষিণ-পূব এছিয়াত উপনীত হয়। যাত্ৰাৰ পথত তেওঁলোকৰ কোনো কোনোৱে দিশ পৰিৱৰ্তন কৰি পশ্চিমলৈ খোজ লৈ উত্তৰ-পূব ভাৰতত প্ৰৱেশ কৰে। এওঁলোকেই নগা, কুকি, মিজো, আদিৰ আদিপুৰুষ। আন এটা প্ৰধান ভাগ হিমালয়ৰ পাদদেশেৰে পশ্চিমলৈ অগ্ৰসৰ হৈ নেপাল, ভূটান, তিব্বত অঞ্চলত বসতি স্থাপন কৰে। পিছলৈ তেওঁলোকৰ কোনো কোনো লোক তাৰপৰা দক্ষিণলৈ প্ৰব্ৰজন কৰি ব্ৰহ্মপুত্ৰ উপত্যকা আৰু তাৰ আশে-পাশে থকা পাহাৰবোৰত খিতাপি লয়। কিছুমানে দক্ষিণফালে আৰু বেছি দুৰলৈ গৈ বৰাক উপত্যকা, ত্ৰিপুৰা, আদিত বাস কৰিবলৈ লয়। তিব্বতীয়-বর্মীৰ এই দুটা প্ৰধান ভাগৰ উপৰিও আন এটা সৰু দলৰ অসম প্ৰৱেশৰ সম্ভাৱনাৰ বিষয়ে বিচাৰ কৰি চাব পৰা যায়। এই তৃতীয় দলটোৰ অসমলৈ আগমন হয় উত্তৰ-পূব কোণেৰে ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদীৰ গতিপথেৰে। চেটাৰ্জীৰ মতে খৃষ্টপূৰ্ব 1000 বছৰৰ বহু পূৰ্বেই তিব্বতীয়-বর্মী লোক হিমালয়ৰ দক্ষিণাঞ্চল বা তিব্বতৰ মাজেৰে ভাৰতবৰ্ষত প্ৰৱেশ কৰে।

স্মৰণ কৰিব পাৰি যে অসমত মানুহৰ বসতিকৰণ সন্দৰ্ভত প্ৰাচীন প্ৰব্ৰজনক এটা কাৰক হিচাপে ধৰা হৈছে। তিব্বতীয়-বর্মী ভাষীৰ অসমলৈ জনপ্ৰৱাহ এনে এটা প্ৰাচীন প্ৰব্ৰজন। চতুৰ্থ কাৰকটোৰ নাম দিয়া হৈছে জনসমষ্টি গঠন। এই লোকসকল আহি বিভিন্ন স্থানত বসতি পাতিলে। বিভিন্ন ঠাইৰ প্ৰতিটো গোটৰ লোকৰ নিজ নিজ গোটৰ মাজতে বৈবাহিক সঙ্ঘাত আৰম্ভ হৈ থাকিবলৈ ধৰিলে। ধৰ্মীয় বিশ্বাস, আচাৰ-ব্যৱহাৰ, নিজস্ব ভাষা, আদিৰ জৰিয়তে তেওঁলোকৰ স্বকীয় পৰিচয় নিশ্চিত কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰি প্ৰত্যেকটো জনসমষ্টিয়ে একো একোটা নাম ল'লে। এনেদৰেই ৰাভা, গাৰো, তিৰা, কছাৰী, নগা, মিজো, কুকি, আদি বিভিন্ন জনসমষ্টিৰ সৃষ্টি হ'ল। ইয়াৰ উপৰি তেওঁলোকৰ মাজত যিবোৰ জৈৱিক প্ৰক্ৰিয়া আৰম্ভ হ'ল সেইবোৰেও জনসমষ্টি গঠনত ইন্ধন যোগালে। নক'লেও হ'ব যে উত্তৰ-পূব ভাৰতলৈ এই মংগ'লীয় লোকসকল বিভিন্ন পথেৰে বিভিন্ন সময়ত আহি নানান ঠাইত সিঁচৰতি হৈ পৰিছিল।

71. কছাৰী, গাৰো, ৰাভা, মেচ আদিয়ে কোৱা বড়ো ভাষা কোনটো বৃহৎ ভাষাগোষ্ঠীৰ বিশেষ গোটৰ অন্তৰ্ভুক্ত :

- (1) বড়ো ভাষা কোৱা গোটটো তিব্বত-বর্মী ভাষাগোষ্ঠীৰ মংগ'লীয় গোটৰ অন্তৰ্ভুক্ত।
- (2) বড়ো ভাষা কোৱা গোটটো শ্যামীয়-চীনীয় ভাষাগোষ্ঠীৰ উত্তৰ-অসম গোটৰ অন্তৰ্ভুক্ত।
- (3) বড়ো ভাষা কোৱা গোটটো শ্যামীয়-চীনীয় ভাষাগোষ্ঠীৰ অসম-বাৰ্মা গোটৰ অন্তৰ্ভুক্ত।
- (4) বড়ো ভাষা কোৱা গোটটো তিব্বতীয়-বর্মী ভাষাগোষ্ঠীৰ অসম-বাৰ্মা গোটৰ অন্তৰ্ভুক্ত।

72. তিব্বতীয়-বর্মী ভাষী মংগ'লীয় লোকৰ মূল বাসস্থান হ'ল-

- (1) চীনদেশৰ দক্ষিণ-পশ্চিম অঞ্চলৰ ইয়াংচিকিয়াং আৰু হোৱাংহো নদীৰ ওপৰ অংশ।
- (2) চীনদেশৰ উত্তৰ-পশ্চিম অঞ্চল ইয়াংচিকিয়াং আৰু হোৱাংহো নদীৰ অৱবাহিকা।
- (3) চীনদেশৰ দক্ষিণ-পূব অঞ্চল ইয়াংচিকিয়াং আৰু হোৱাংহো নদীৰ উপত্যকা অঞ্চল।
- (4) চীনদেশৰ উত্তৰ-পশ্চিম অঞ্চল ইয়াংচিকিয়াং আৰু হোৱাংহো নদীৰ উজনি ভাগ।



73. চীনদেশৰ পৰা উত্তৰ-পূব ভাৰতলৈ প্ৰব্ৰজন ঘটা কোনটো জনগোষ্ঠীক নগা, কুকি, মিজোসকলৰ আদি পুৰুষ বুলি কোৱা হৈছে।
- (1) মংগ'লীয় গোষ্ঠী (2) অষ্ট্ৰিক গোষ্ঠী (3) আৰ্মেতৰ গোষ্ঠী (4) ককেচীয় গোষ্ঠী
74. অসমলৈ প্ৰব্ৰজন ঘটা জনগোষ্ঠীসমূহে কেনেদৰে স্বকীয় পৰিচয় বহন কৰিছিল?
- (1) অসমলৈ প্ৰব্ৰজন ঘটা জনগোষ্ঠীসমূহে ধৰ্মবিশ্বাস, আচাৰ-ৰীতি, ভাষা আদিৰ জৰিয়তে স্বকীয় পৰিচয় দিয়াৰ উপৰিও প্ৰত্যেকেই বেলেগ বেলেগ নামেৰে চিহ্নিত হ'ল।
- (2) অসমলৈ প্ৰব্ৰজন ঘটা জনগোষ্ঠীসমূহে ধৰ্মবিশ্বাস, আচাৰ-ৰীতি, ভাষা আদিৰ জৰিয়তে স্বকীয় পৰিচয় বহন কৰিছিল।
- (3) অসমলৈ অহা জনগোষ্ঠীসমূহে নিজৰ নামৰ পৰিচয় দিয়াৰ উপৰিও ধৰ্ম-বিশ্বাস-ভাষা-সংস্কৃতি গ্ৰহণ কৰিছিল।
- (4) অসমলৈ প্ৰব্ৰজন ঘটা জনগোষ্ঠীসমূহে ধৰ্মীয় বিশ্বাস, আচাৰ ব্যৱহাৰে, ভাষা আৰু নামকৰণৰ জৰিয়তে পৰিচয় দিছিল।
75. অসমৰ বিভিন্ন জনসমষ্টিৰ গঠনত কেনেধৰণৰ কাৰ্যই সহায় কৰিছিল?
- (1) অসমৰ বিভিন্ন জনসমষ্টিৰ গঠনত ৰাভা, গাৰো, তিৱা, কছাৰী, নগা, মিজো, কুকি আদি জনগোষ্ঠীয়ে ইন্ধন যোগাইছে।
- (2) অসমৰ ৰাভা, গাৰো, তিৱা, কছাৰী, নগা, মিজো, কুকি, আদি জনগোষ্ঠীৰ মাজত ঘটা জৈৱিক সম্পৰ্কত জনসমষ্টিৰ গঠন প্ৰক্ৰিয়া সম্ভৱ হ'ল।
- (3) অসমৰ ৰাভা, গাৰো, তিৱা, কছাৰী, নগা, মিজো আদি জনগোষ্ঠীৰ মাজত ঘটা জীনিয় সম্পৰ্কই জনসমষ্টি গঠনত ইন্ধন যোগাইছিল।
- (4) ৰাভা, গাৰো, তিৱা, কছাৰী, নগা, মিজো, কুকি আদি অসমৰ জনগোষ্ঠীৰ জৈৱিক প্ৰক্ৰিয়াৰ দ্বাৰা জাতি গঠন সম্ভৱ হৈছে।

- o o o -



Space For Rough Work

[www.careerindia.com](http://www.careerindia.com)

